14-07-2022

स्वामी रामानुजाचार्य का स्टैच्यू ऑफ पीस

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में श्रीनगर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वामी रामानुजाचार्य के स्टैच्यू ऑफ पीस का अनावरण किया।

त्वरित मुद्दा?

- स्टेच्यू ऑफ पीस की स्थापना से सभी धर्मों के कश्मीरियों को रामानुजाचार्य का आशीर्वाद और संदेश प्राप्त होगा ताकि कश्मीर को शांति और प्रगति के पथ पर ले जाया जा सके।
- यह बिना किसी भेदभाव के कश्मीर के लोगों के विकास में सहायक होगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- रामानुजाचार्य का जन्म वर्ष 1017 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में हुआ था।
- रामानुजाचार्य एक वैदिक दार्शनिक और समाज सुधारक थे।
- उन्होंने समानता और सामाजिक न्याय का समर्थन करते हुए पूरे भारत की यात्रा की।
- उन्होंने भक्ति आंदोलन को पुनर्जीवित किया और उनके उपदेशों ने अनेक भक्ति विचारधाराओं को प्रेरित किया।
- विशिष्टाद्वैत वेदांत दर्शन की एक अद्वैतवादी परंपरा है।
- वे भक्ति आंदोलन के उपदेशक और अन्य सभी भक्ति विचारधाराओं के स्रोत बने।
- वह कबीर, मीराबाई, अन्नामचार्य, भक्त रामदास, त्यागराज और कई अन्य रहस्यवादी कवियों के लिये एक प्रेरणा थे।
- उन्होंने इस अवधारणा की शुरुआत की कि प्रकृति और उसके संसाधन जैसे- जल, वायु, मिट्टी, वृक्ष, आदि पवित्र हैं और उन्हें प्रदूषण से बचाया जाना चाहिये।

अन्य प्रमुख तथ्य?

संत रामानुज का कश्मीर से संबंध

- रामानुजाचार्य 11वीं शताब्दी में ब्रह्म सूत्र पर लिखे ग्रंथ बोधायन वृत्ति नामक एक महत्त्वपूर्ण पांडुलिपि प्राप्त करने के लिये कश्मीर गए थे।
- बोधायन वृत्ति को ब्रह्म सूत्र की सबसे आधिकारिक व्याख्या होने की प्रतिष्ठा प्राप्त थी।
- उनके शिष्य कुरेशा उनके साथ थे और उन्होंने पूरे पाठ को अपनी स्मृति में आत्मसात कर लिया क्योंकि स्थानीय विद्वानों ने रामानुजाचार्य को पांडुलिपि को कश्मीर से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं दी।
- श्रीरंगम लौटने के बाद रामानुजाचार्य ने श्री भाष्यम, ब्रह्म सूत्र पर टीका और अपने सबसे उल्लेखनीय कार्य को कुरेशा को निर्देशित किया,जिन्होंने इसे लिखा था।
- श्री भाष्यम को इस क्षेत्र को समर्पित करने के लिये रामानुजाचार्य 2 वर्ष बाद फिर से कश्मीर लौट आए।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न- 'ब्रह्मा सत्य है और जगत मिथ्या (भ्रम या माया) है' –यह किसकी उक्ति है?

(a) शंकराचार्य (b) रामानुजाचार्य (c) वल्लभाभार्च (d) चैतन्य

उत्तर: (a) शंकराचार्य

Que. दक्षिण भारत का वह संत कौन था जिसने अपना अधिकांश जीवन उत्तर भारत में वृन्दावन में बिताया?

(a) रामानुजाचार्य (b) निम्बार्क आचार्य (c) मध्वाचार्य (d) विष्णु स्वामी

उत्तर: (b) निम्बार्क आचार्य

नए संसद भवन पर राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के नए भवन की छत पर लगे राष्ट्रीय चिह्न / राष्ट्रीय प्रतीक (National Emblem) का अनावरण किया।

त्वरित मुद्दा?

- नए संसद भवन की छत पर राष्ट्रीय प्रतीक के निर्माण की अवधारणा का रेखाचित्र और प्रक्रिया, मिट्टी प्रारूप/ कंप्यूटर ग्राफिक से लेकर कांस्य ढलाई और पॉलिश करने तक की तैयारी सहित आठ विभिन्न चरणों से गुजरी है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

महत्व

- बौद्ध व्याख्याओं के अनुसार, अशोक स्तंभ में उत्कीर्ण जानवरों के चित्र बुद्ध के जीवन के विभिन्न चरणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जबकि, गैर-धार्मिक व्याख्याओं के अनुसार- कि मूल स्तंभ में शीर्ष पर चार सिंह, चार भौगोलिक दिशाओं में सम्राट अशोक के शासनकाल को दर्शाते हैं, जबकि 'पहिया' या चक्र अशोक के प्रबुद्ध शासन को दर्शाता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- भारत का राजचिह्न (National Emblem of India), सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ की अनुकृति है, जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। इसे 26 जनवरी, 1950 को भारत के 'राष्ट्रीय चिन्ह' के रूप में अपनाया गया था। इसमें देवनागरी लिपि में "सत्यमेव जयते" लिखा है।
- इसे समकालीन भारत द्वारा विश्व शांति और सद्भावना के प्रति अपनी प्राचीन प्रतिबद्धता की पुन:अभिपुष्टि के प्रतीक के रूप में चुना गया था।
- भारत का राजकीय प्रतीक सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ के सिंह-शिखर (Lion Capital) की अनुकृति है।
- मूल स्तंभ में शीर्ष पर चार सिंह हैं, जो एक-दूसरे की ओर पीठ किए हुए हैं।
- इसके नीचे घंटे के आकार के पदम के ऊपर एक चित्र वल्लरी में एक हाथी, चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा, एक सांड तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्तियां हैं, इसके बीच-बीच में चक्र बने हुए हैं।
- एक ही पत्थर को काट कर बनाए गए इस सिंह स्तंभ के ऊपर 'धर्मचक्र' रखा हुआ है।
- 9,500 किलोग्राम कांस्य से बने राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न की ऊंचाई 6.50 मीटर है।
- इसे संसद की नई इमारत के सेंट्रल कक्ष के शीर्ष पर लगाया गया है।
- भारत का राजचिह्न (राष्ट्रीय प्रतीक) सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ की अनुकृति है, जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है।
- इसके नीचे घंटे के आकार के पद्म के ऊपर एक चित्र वल्लरी में एक हाथी, चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा, एक सांड तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्तियां हैं, इसके बीच-बीच में चक्र बने हुए हैं।
- भारत का राजचिह्न (राष्ट्रीय प्रतीक) सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ की अनुकृति है, जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न- भारत शासन द्वारा राजकीय चिह्न कब से अंगीकृत किया गया था?

(a) 15 अगस्त, 1948 (b) 20 अक्टूबर, 1947

(c) 26 जनवरी, 1948 (d) 26 जनवरी, 1950

उत्तर: (d) 26 जनवरी, 1950

Que. भारत का राज चिहन अशोक महान दवारा सारनाथ में स्थापित सिंह स्तम्भ से लिया गया है। इस राज चिहन के मूल स्तम्भ में कितने सिंह ?

(a) दो (b) तीन

(c) चार (d) पाँच

उत्तर: (c) चार